साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 317 | जौनपुर, मंगलवार, 13 अगस्त 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

न्यूज डायरी

आने वाले दो से तीन दिन भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश का सिलसिला अभी जारी रहने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक इस सप्ताह यूपी के ज्यादातर हिस्सों में कहीं मध्यम तो कहीं भारी बारिश का पूर्वानुमान है। पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश की वजह से कहीं किसान खुश हैं तो प्रदेश के कई इलाकों में बाढ जैसी स्थितियां हैं।

विन्ध्य क्षेत्र के हर घर तक पहुंचेगा नल से जल – जल मंत्री

लखनऊ, संवाददाता। बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र के सभी जिलों के ग्रामीण घरों में 47 दिन के भीतर नल से जल पहुंचने लगेगा। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र के सभी ग्रामीण घरों तक नल से जल पहुंचाने के लिए इंजिनियरों को 47 दिन की मोहलत दी है। सोमवार को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने निर्देश दिया कि 30 सितंबर से पहले बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र के सभी जिलों में हर घर नल योजना का काम 100 प्रतिशत पूरा कर लिया जाए।

भारत अल्पसंख्यकों के लिए सबसे सुरक्षित देश है – किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी दलों पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि भारत, अल्पसंख्यकों के लिए सबसे सुरक्षित देश है। लेकिन, देश को बदनाम करने के लिए दुनियाभर में सुनियोजित अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में सोमवार को आयोजित डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड कार्यक्रम को संबोधित करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि दुनिया के अन्य देशों में अल्पसंख्यक समुदाय के हालात की बात करें तो वहां पर उन्हें जीवन जीने और सुरक्षा के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है और इस लिहाज से देखा जाए तो भारत में सही मायनों में कोई भी अल्पसंख्यक नहीं है, क्योंकि हमारे देश में सबको बराबर अधिकार मिले हुए हैं। केंद्रीय मंत्री ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित देश होने के बावजूद कुछ राजनीतिक दल और कुछ लोग देश के अंदर और बाहर जाकर एक सुनियोजित अभियान चलाते हैं कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग जब भी विदेश जाते हैं तो वहां पर यह साबित करने की कोशिश करते हैं कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। ऐसे लोग भारत को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा करते हैं।

15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगें मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को लगातार 11वीं बार लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले प्रधानमंत्री होंगे। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी तीसरे कार्यकाल में अपनी सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शकों के सामने रखेंगे और भारत को विकसित देश बनाने का रोडमैप पेश करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री के विशेष अतिथियों को प्रतिष्ठित लाल किले पर भव्य समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री के गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों पर ध्यान केंद्रित करने के अनुरूप, चारों समूहों के प्रतिनिधि स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होंगे। 15 अगस्त को होने वाले समारोह में इन समूहों से करीब 4,000 मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। सूत्रों के अनुसार, इन मेहमानों को 11 श्रेणियों में बांटा गया है। कृषि एवं किसान कल्याण, युवा मामले और महिला एवं बाल विकास मंत्रालयों को क्रमशः किसानों, युवाओं और महिलाओं को आमंत्रित करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय मामले, शिक्षा और रक्षा मंत्रालयों ने भी मेहमानों की सूची तैयार कर ली है। नीति आयोग ने भी मेहमानों को आमंत्रित किया है। पेरिस ओलंपिक 2024 के भारतीय दल को भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में आमंत्रित किए जाने की उम्मीद है। इस कार्यक्रम में 18,000 से अधिक लोग मौजूद रहेंगे। दिल्ली यातायात पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत 13 अगस्त को होने वाली 'फुल ड्रेस रिहर्सल' के लिए बंद की जाने वाली सड़कों और वैकल्पिक मार्गों के संबंध में एक परामर्श जारी किया है।

हर गांव में जल्द से जल्द शुद्ध पेयजल की व्यवस्था हो - सीएम

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जल जीवन मिशन से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। सीएम योगी ने अधिकारियों को जल्द से जल्द प्रदेश के सभी गांवों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पाइप लाइन बिछाने के साथ ही संचालन और रखरखाव को लेकर भी समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। जल जीवन मिशन में हर घर शुद्ध पेयजल पहुंचाने के काम में प्लंबर की भूमिका को सबसे अहम बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्लंबरों को समुचित प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन में उपयोग की जा रही सामग्रियों की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। पाइप, नल आदि की क्वालिटी अच्छी से अच्छी हो। टोटी चोरी होने या खराब होने पर तत्काल नई टोटी की व्यवस्था कराई जाए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रदेश में दो करोड़ 63 लाख से अधिक घरों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जा रही है, जिसमें 1.60 लाख करोड़ रुपये लागत आ रही है। प्रतिवर्ष इसके संचालन और रखरखाव में करीब साढ़े चार हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। सीएम योगी ने कहा कि स्वास्थ्य के लिए शुद्ध पेयजल अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण जनता को शुद्ध पेयजल मिलेगा तो उन्हें विभिन्न बीमारियों से निजात मिलेगी, जिससे हमारे गांव स्वस्थ होंगे। यह योजना एक प्रकार से वॉटर थेरेपी की तरह है, जिससे पाचन संबंधित, यूरीन संबंधित, पीलिया, किडनी की पथरी और किडनी फेल होने जैसी बीमारियों से काफी हद तक निजात मिलेगी। जल जीवन मिशन के लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मदद से ग्रामीणों को जागरूक करना होगा। इसके लिए ग्राम प्रधान के साथ मिलकर कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शुद्ध पेयजल के लिए ग्रामीणों तक यह बात पहुंचाई जानी चाहिए कि उनके मोबाइल के मासिक खर्च से भी कम में उन्हें यह सुविधा दी जा रही है। इसके लिए पंचायत सहायक और बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट (बीसी) सखियों को भी लगाया जाए। सीएम योगी ने आगे कहा कि पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क को समय पर ठीक कराएं। प्रदेश के प्रत्येक गांव को हमें आत्मनिर्भर बनाना होगा। गांव के ऐसे तालाब जो किसी मंदिर से न जुड़े हों उनमें मत्स्य पालन की व्यवस्था शुरू की जा सकती है। इसके अलावा ग्राम हाट और पक्की दुकानें बनाकर आय अर्जित की जा सकती है। इसके लिए अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मंत्री भी गांवों में जाएं और प्रधान तथा ग्रामीणों से विस्तृत चर्चा करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का ग्राम सचिवालय का मॉडल पूरे देश को आकर्षित कर रहा है। यह गांव की समस्याओं के समाधान का माध्यम बना है। जिन कार्यों के लिए पहले तहसील जाना होता था, अब ग्रामीणों को वह सुविधा गांव में ही मिल रही है।

यूपी उपचुनाव के लिए मायावती ने ठोकी ताल

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा उपचुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक कदम उठाते हुए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने घोषणा की कि उनकी पार्टी सभी दस सीटों पर चुनाव लड़ेगी। मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक का ब्यौरा एक्स पर साझा किया, जिसमें सभी दस निर्वाचन क्षेत्रों में बसपा के उम्मीदवार उतारने का निर्णय लिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि फूलपुर और मंझवा सीटों के लिए भी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी गई है। मायावती के इस ऐलान से भाजपा और सपा की टेंशन बढ़ सकती है। बैठक के दौरान मायावती ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला किया और उन पर विभाजनकारी बुलडोजर राजनीति का इस्तेमाल करने और महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक पिछड़ेपन जैसे ज्वलंत मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए धार्मिक उन्माद फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने मस्जिदों, मदरसों और वक्फ संपत्तियों के संचालन में सरकार के हस्तक्षेप की भी निंदा की। यह ध्यान देने योग्य है कि बसपा उपचुनावों में आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को केंद्रीय मुद्दा बना सकती है। इसके अलावा, बैठक में उत्तर प्रदेश राज्य पार्टी इकाई के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों ने भाग लिया, जिसमें आगामी उपचुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों पर भी विचार–विमर्श किया गया।

राजस्थान सरकार 'इलेक्ट्रोपैथी' को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध

राजस्थान, एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार आमजन के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दूरगामी निर्णय ले रही है। शर्मा ने कहा कि इसी क्रम में राज्य सरकार ने अपने पहले बजट में ही पारंपरिक चिकित्सा पद्धति 'इलेक्ट्रोपैथी' को बढ़ावा देने के लिए 'इलेक्ट्रोपैथी बोर्ड' का गठन करने और इसके लिए प्रथम चरण में पांच करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि बजट में 'इलेक्ट्रोपैथी' चिकित्सा के सम्बन्ध में परीक्षण कर नियम बनाने की महत्वपूर्ण घोषणा भी की गई है। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर 'इलेक्ट्रोपैथी' चिकित्सकों की आभार एवं अभिनंदन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही कई पारंपरिक और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों का केंद्र रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पद्धतियों में 'इलेक्ट्रोपैथी' की विशेष महत्ता है और राज्य सरकार इसे प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, " 'इलेक्ट्रोपैथी' एक प्रभावी चिकित्सा पद्धति के रूप में उभर रही है। इस पद्धति में औषधीय पौधों के रस का उपयोग कर विभिन्न रोगों का प्रभावी रूप से इलाज किया जाता है। राज्य सरकार इस पद्धति के विस्तार के लिए संकल्पित है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाए भारत - अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का मुद्दा उठाते हुए सोमवार को सरकार से इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरजोर तरीके से उठाने की मांग की। यादव ने एक्स पर कहा, कोई भी समुदाय चाहे वह बांग्लादेश का अलग नजरिये वाला बहुसंख्यक हो या हिंदू, सिख, बौद्ध या कोई अन्य धर्म–पंथ–मान्यता मानने वाला अल्पसंख्यक, कोई भी हिंसा का शिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने इसी पोस्ट में कहा, भारत सरकार द्वारा इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार की रक्षा के रूप में सख्ती से उठाया जाना चाहिए। ये हमारी प्रतिरक्षा और आंतरिक सुरक्षा का भी अति संवेदनशील विषय है। इससे पहले एक्स पर ही बांग्लादेश का नाम लिये बगैर कहा था कि देश और देशवासियों की रक्षा करना हर देश का कर्तव्य होता है। उन्होंने यह भी कहा कि इतिहास सिखाता है कि सियासी मंसूबों को पूरा करने के लिए करती है, वह देश को आंतरिक और बाह्य दोनों स्तर पर कमजोर करती है। विश्व इतिहास गवाह है कि कई देशों में विभिन्न कारणों से, सही या गलत, उस समय के हालातों के अनुसार, हिंसक जन क्रांतियां, सैन्य तख्तापलट, सत्ता–विरोधी आंदोलन होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे उथल–पुथल भरे समय में केवल उसी देश का पुनरुत्थान हुआ है, जिसने किसी के खिलाफ किसी भी आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया। देश और देशवासियों की रक्षा करना हर देश का कर्तव्य होता है। सकारात्मक मानवीय सोच के आधार पर, एक व्यक्ति के रूप में हर निवासी–पड़ोसी की रक्षा करना भी हर सभ्य समाज का मानवीय–दायित्व होता है, फिर वह चाहे किसी काल– स्थान–परिस्थिति में कहीं पर भी हो। कई बार किसी देश के आंतरिक मामलों से प्रभावित होने वाले किसी अन्य देश का एकल स्तर पर हस्तक्षेप करना वैश्विक राजनयिक मानकों के लिहाज से उचित नहीं माना जाता है।

महिला डाक्टर से बलात्कार और हत्या की हो सीबीआई जांच – रविशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने बंगाल में महिलाओं के खिलाफ लगातार हो रहे अपराध की घटनाओं और उन पर ममता बनर्जी सरकार के रवैए की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि बंगाल में जो हो रहा है वह सरकारी आतंक का खौफनाक सच है। रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को ममता बनर्जी की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ममता बनर्जी के राज में यह क्या हो रहा है ? एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार किया गया, दरिंदगी की हद कर दी गई। वहां इस मामले की जांच के लिए जो कमेटी बनाई गई है, उसमें टीएमसी के समर्थकों को भी शामिल किया गया है। वहां पर निष्पक्ष जांच होगी, इसमें संदेह है। इसलिए भाजपा यह मांग करती है कि इस मामले की सीबीआई जांच करवाई जाए। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी को क्या एक मृत महिला डॉक्टर को भी न्याय दिलाने में भी कोई दिक्कत है ? उन्हें यह कहना चाहिए कि उन्हें सीबीआई जांच से कोई दिक्कत नहीं है। रविशंकर प्रसाद ने मृत डॉक्टर को लेकर कही जा रही बातों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उनके बारे में जिस तरह की बात कही जा रही है, उन सब बातों का क्या मतलब है ? एक महिला डॉक्टर जिनके साथ दरिंदगी की गई, उनके बारे में इस तरह की बातें कहने का क्या मतलब है? उन्होंने कहा, यह एक गंभीर मामला है। देश भर के डॉक्टर आज धरने पर हैं।

शांति और विकास के लिए नुकसानदेह तत्वों को मजबूत न करें - उपराज्यपाल सिन्हा

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने लोगों से ऐसे तत्वों का समर्थन नहीं करने का आग्रह किया है, जो इस केंद्र शासित प्रदेश में शांति और विकास के लिए नुकसानदेह हों। सिन्हा ने अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए को निरस्त करने को ऐतिहासिक बदलाव बताते हुए यह भी दावा किया कि इस कदम के बिना आधी आबादी अपने अधिकारों से वंचित रह जाती। उन्होंने रविवार को 'पीटीआई–वीडियो' के साथ साक्षात्कार में कहा, ''मैं लोगों से कहना चाहता हूं कि वे शांति और विकास के लिए नुकसानदेह तत्वों को मजबूत न करें।'' जेल में बंद नेता इंजीनियर राशिद के संसद सदस्य के रूप में निर्वाचित होने को लेकर कुछ राजनीतिक दलों की आलोचना और इससे लोकतांत्रिक राजनीति में अलगाववाद बढ़ने की आशंका को लेकर सिन्हा सवालों का जवाब दे रहे थे। उपराज्यपाल ने कहा, ''यह सच है कि ऐसे तत्व संसद तक पहुंच गए हैं। देश उन्हें जानता है और हम भी उन्हें जानते हैं। लोकतंत्र में पूरी तरह आजाद मतदाताओं से मैं आग्रह करता हूं कि वे राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लें।'' राशिद ने बारामूला निर्वाचन क्षेत्र से जीत के बाद 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। राशिद ने बारामूला में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को दो लाख से अधिक मतों से हराया। निर्दलीय सांसद राशिद को 2017 के आतंकी–वित्तपोषण मामले में गिरफ्तार किया गया था। सिन्हा ने अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए को निरस्त किए जाने को शांति और विकास के ऐतिहासिक युग की शुरुआत बताया। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 2009 में तत्कालीन जम्मू–कश्मीर राज्य को विशेष अधिकार देने वाले अनुच्छेदों को रद्द करते हुए इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था। उन्होंने कहा, ''अनुच्छेद 370 को निरस्त करना ऐतिहासिक था।

इससे जम्मू–कश्मीर में शांति और विकास का एक नया अध्याय शुरू हुआ है। हमने यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश की है कि जम्मू–कश्मीर सबसे आगे रहे, हर व्यक्ति की आकांक्षाएं पूरी हों और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यहां स्थिरता स्थापित हो।'' उपराज्यपाल ने कहा कि प्रशासन ने इस संबंध में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा, ''भेदभाव का दौर बीत चुका है। (तत्कालीन) पश्चिमी पाकिस्तान से आए शरणार्थी, वाल्मीकि, दलित, आदिवासी और विशेष रूप से महिलाओं जैसे हाशिये पर पड़े समुदायों को उनके अधिकार दिए गए हैं। अगर अनुच्छेद 370 को समाप्त नहीं किया गया होता, तो यहां की 50 प्रतिशत से अधिक आबादी को उनके उचित अधिकार नहीं मिल पाते। यह एक बड़ा परिवर्तन है।'' सिन्हा ने इस मुद्दे पर सरकार की आलोचना करने वाले नेताओं पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, ''यह देश संविधान से चलता है और इसे बनाए रखने की शपथ लेने वालों से मेरी हमेशा यही अपेक्षा रहती है कि वे समझें कि एक नया युग क्यों शुरू हुआ है।

भारत को महाशक्ति बनाने में युवाओं का है अहम योगदान – सीएम नायब

हरियाणा, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को पंचकूला में आयोजित अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा, "मैं उन स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करता हूं, जिन्होंने विदेशी शासन के खिलाफ आंदोलन चलाकर भारत मां को आजाद कराया। भगत सिंह, राजगुरु और चंद्रशेखर आजाद समेत कई क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर किया। उन्होंने कहा, "आजादी के बाद भारत को महाशक्ति बनाने में युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। मैं इस सम्मेलन में आए युवाओं के चेहरे पर उमंग और उत्साह साफ देख सकता हूं। युवा ही हमारे राज्य और देश का उज्जवल भविष्य हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद का जिक्र करते हुए कहा, "स्वामी विवेकानंद की जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। वह युवाओं के आईडल हैं और उन्हें युवा शक्ति पर विश्वास था। उन्होंने खुद कहा था कि तुम मुझे 100 युवा दो, मैं भारत को बदल दूंगा। आज का दिन उनके आदर्शों का दिन है। मुझे खुशी है कि आज के समारोह में युवाओं के लिए तीन नई योजनाओं की शुरुआत की गई है।

संपादकीय

धनखड़ के बयान के मायने

देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जोधपुर हाईकोर्ट में जजों और वकीलों के बीच में जब यह कहा कि देश में कुछ लोग साजिश के तहत एक नैरेटिव चला रहे हैं कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में जो घटनाक्रम हुआ है, वैसा ही भारत में घटित हो सकता है। धनखड़ ने आगाह किया कि ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। दरअसल, उनका इशारा पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की ओर था, जिन्होंने एक बयान दिया कि ऊपर सब सामान दिख सकता है, लेकिन बांग्लादेश जैसी घटना भारत में हो सकती है। कुछ अन्य विपक्षी नेता भी ऐसे विचार व्यक्त कर चुके हैं। उप राष्ट्रपति जैसे उच्च पद पर बैठे व्यक्ति का इस गंभीर विषय पर बोलना और चिंता जताना वाकई गंभीर विषय है। देश में सबकुछ सामान्य रूप से चल रहा है, इसमें कोई भी दो राय नहीं है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में बीच–बीच में विपक्ष की ओर से ऐसे तत्वों को जरूर हवा दी जा रही है, जिन्हें लेकर चिंता उभरती है। वर्ष 2019 में जब नागरिक संशोधन कानून (सीएए) बना तो दिल्ली के शाहीन बाग में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग सड़क रोककर बैठ गए थे। देश के अन्य हिस्सों में भी कई शाहीन बाग खड़े किए गए, जबकि केंद्र सरकार ने पूरी तरह स्पष्ट किया था कि सीएए कानून भारत के किसी नागरिक को प्रभावित नहीं करता है। किसी भारतीय की नागरिकता नहीं जा रही थी। इस आंदोलन को विपक्ष की तरफ से खूब हवा दी गई। उस समय तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब भारत में थे तो दिल्ली के कुछ इलाकों में दंगा तक भड़क गया था, जिसमें कई लोगों की जान गई। देशद्रोह की धाराओं में कई लोग आज भी जेल में बंद हैं। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इशारा ऐसे ही लोगों की ओर है। नरेंद्र मोदी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में कृषि सुधारों को लेकर तीन कृषि कानून लेकर आई थी, जिसे लेकर देश के कुछ भागों में किसानों का आंदोलन खड़ा किया गया। खासकर पंजाब के किसान दिल्ली बॉर्डर पर आकर बैठ गए। सालभर दिल्ली के आसपास कई डेरे डाले रखे। दिल्ली में लाल किले के भीतर तक उपद्रवी पहुंच गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों कृषि कानून वापस ले लिए थे, लेकिन आज भी पंजाब में किसान किसी न किसी मुद्दे को लेकर कभी रेल तो कभी हाईवे रोक देते हैं, कभी टोल व्यवस्था को ध्वस्त कर देते हैं। पंजाब में सबकुछ ठीक चल रहा है, यह कहना मुश्किल है। लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति यह है कि पंजाब में चल रहे रोड प्रोजेक्ट्स को लेकर केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को चिट्ठी लिखकर स्पष्ट कह दिया है कि यदि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) अधिकारियों और ठेकेदारों को सुरक्षा नहीं दी गई तो 14,288 करोड़ रुपए के 293 किलोमीटर के रोड प्रोजेक्ट को बंद करना पड़ेगा। मणिपुर में हाईकोर्ट के एक फैसले के कारण दो समुदायों के बीच में उपद्रव आज तक थमा नहीं है, जबकि सरकार और कोर्ट इस मुद्दे को लेकर स्थिति स्पष्ट कर चुका है। सत्ता पक्ष लंबे अरसे से देश में विदेशी शक्तियों की दखलांदाजी की बात को उठाता आ रहा है। हिंडनबर्ग हो या जॉर्ज सोरोस या अन्य विदेशी संस्थाएं, एक नैरेटिव जरूर देश में खड़ा करने का प्रयास हो रहा है। भले संविधान बदलने या आरक्षण खत्म करने की बात हो, जिस पर वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव विपक्ष ने लड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं इन मुद्दों पर स्थिति साफ की, लेकिन एक फेक नैरेटिव जरूर खड़ा करने की पूरी कोशिश विपक्ष की ओर से आज भी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट का अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में वर्गीकरण का निर्णय आने के बाद एक बार आंदोलन की सुगबुगाहट होने पर केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि यह निर्णय लागू नहीं होगा, लेकिन जो विपक्षी पार्टियों चुनाव में आरक्षण का मुद्दा उठा रही थीं, उनकी ओर से इस मुद्दे पर मौन धारण किया जा रहा है।

बांग्लादेश की स्थिति पर लौटते हैं। बांग्लादेश में जो हुआ, उसका प्रभाव भारत पर सुरक्षा, सामाजिक और आर्थिक रूप से पड़ेगा, यह बिल्कुल स्पष्ट है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना इनदिनों भारत में शरण लिए हुए हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना को हटाने के लिए जो उपद्रव और हिंसा मची, उसे दुनिया देख रही है। जिस तरह से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं। उनके धर्मस्थलों को तोड़ा जा रहा है। इस बात की चिंता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताई है। दुनिया के कई देशों में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमलों के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं, लेकिन भारतीय विपक्ष की ओर से इस मुद्दे पर बिल्कुल सन्नाटा है। बांग्लादेश की सीमा से लगे पश्चिम बंगाल राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मौन साधा हुआ है। शुरुआत में जरूर उन्होंने कहा कि वो भारत सरकार के फैसलों के साथ हैं, लेकिन विपक्षी नेताओं के साथ ममता भी बांग्लादेश पर चुप हैं, लेकिन फिलीस्तीन के मुद्दे पर यही विपक्ष हाय–तौबा मचा रहा है। विपक्ष के एक नेता तो जय फिलीस्तीन का नारा लोकसभा में लगा चुके हैं। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जो इशारा कर रहे हैं, उसे हल्के में लेकर हवा में नहीं उड़ाया जा सकता। कहीं न कहीं यह दिख रहा है कि देश की संवैधानिक संस्थाओं पर चोट पहुंचाने की कोशिशें जारी हैं। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। ऐसा हुआ तो यह संसदीय इतिहास में पहली बार होगा।

भाषा, संस्कृति ने गहरे रिश्तों को जन्म दिया

आदित्य

बांग्लादेश का निर्माण मेरी पीठ पीछे हुआ। चूंकि मैं स्टेट्समैन में रिपोर्टर था, इसलिए मुझे आश्चर्य हुआ कि मुझे बांग्लादेश युद्ध से दूर रखा जा रहा था, जहां मेरे मित्र रघु राय शानदार तस्वीरें बना रहे थे और लंदन टाइम्स के पीटर हेजलहर्स्ट यू.के. में रिपोर्टर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीतने वाले थे। मुझे क्यों रोका जा रहा था?रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता राममोहन राव (वे प्रधान सूचना अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए) के फोन से मुझे कुछ समझ में आया, जो युद्ध कवरेज के बारे में संपादकों के संपर्क में थे। उन्होंने मेरे संपादक से बात की थी और मुझसे कुछ घंटों के भीतर रक्षा मंत्रालय पहुंचने का अनुरोध किया था। सेना का एक वाहन चुनिंदा विदेशी संवाददाताओं और हममें से कुछ लोगों को पश्चिमी थिएटर में ले जाएगा, जहां छंब में भीषण युद्ध हो रहा था।यह सांत्वना देने वाला काम मुझे इसलिए मिला क्योंकि गहन विचार–विमर्श के बाद संपादक और रक्षा मंत्रालय इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि मुझे बांग्लादेश भेजना खतरनाक होगा। मुझे पंजाबीध्पाकिस्तानी मुसलमान समझकर मार दिया जा सकता है। सरकार को यह समझने में थोड़ा समय लगा कि बांग्लादेश के उदय ने उपमहाद्वीप के भूगोल को पूरी तरह बदल दिया है।1947 के विभाजन ने दो राष्ट्रों, भारत और पाकिस्तान को एक दूसरे के साथ शत्रुतापूर्ण प्रतिस्पर्धा में पैदा कर दिया था। दोनों ने अपने–अपने दृष्टिकोण से कश्मीर जैसे उपमहाद्वीपीय मुद्दों पर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया। 1971 में बांग्लादेश ने इस भूगोल को नाटकीय रूप से बदल दिया। भारत छोटे–छोटे देशों से घिरा एक बड़ा देश बन गया। भारत के वजन को संभालने के लिए, बांग्लादेश के जिया–उर रहमान जैसे नेताओं ने सार्क के बारे में सोचा। इस आकार को कैसे संभाला जाएगा? भारत को घेरने वाले देशों ने तब चीन कार्ड का इस्तेमाल किया। सार्क की शुरुआत 1980 में हुई थी, एक साल बाद चीन ने डेंग शियाओपिंग के मार्गदर्शन में ष्चार आधुनिकीकरणष शुरू किए। दूसरे शब्दों में, अपने ष्उदयष की शुरुआत से ही, चीन सार्क के ध्यान में था। अभी भी मॉस्को– बीजिंग– वाशिंगटन रणनीतिक संतुलन का आनंद लेते हुए, जिसे उन्होंने अकेले ही स्थापित किया था, हेनरी किसिंजर अपने नए दोस्तरू चीन के लिए और अधिक ताकत की कामना करते थे। क्या भारत अपने आसपास के छोटे देशों को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर सकता था या फिर सार्क को पाकिस्तान नामक चट्टानों पर फंसने देना सही था? पहली बार मैंने बांग्लादेश का दौरा 1979 में प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के साथ प्रेस टीम के हिस्से के रूप में किया था। ढाका सतही तौर पर सुखद था, लेकिन जटिलताओं की परतें उभरने में देर नहीं लगी। अभिजात वर्ग के लिए कॉलोनी गुलशन में कई घर थे जो भारतीय मेहमानों का गर्मजोशी और आतिथ्य के साथ स्वागत करते थे, लेकिन इनमें "ढाका बनाम कोलकाता" परिसर भी था। श्रीलंका में एक ऐसा ही "चेन्नई–कोलंबो" परिसर देखा गया था। देसाई की यात्रा के दौरान एक मुद्दा जो भारत–बांग्लादेश संबंधों के लिए एक रूपक बन गया, सामने आया। तय किए गए लेन–देन में बांग्लादेश को तत्काल आवश्यक खाद्यान्न की पर्याप्त मात्रा का उपहार शामिल था। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता समाप्त होने के बाद, पीएमओ के एक वरिष्ठ अधिकारी प्रकाश शाह ने हममें से कुछ लोगों को अपने कमरे में आमंत्रित किया और उपलब्ध एकमात्र आधिकारिक बांग्लादेश टीवी चालू कर दिया। अन्य लोग भी हमारे साथ शामिल हो गएय वे यह जानने के लिए उत्सुक थे कि सरकारी मीडिया ने इस यात्रा को किस तरह से प्रचारित किया, खास तौर पर खाद्यान्नों के हस्तांतरण को।घंटों बीत गएय कोई स्टोरी नहीं बनी। शायद इसे प्राइम टाइम के लिए रखा गया था? वह भी बीत गया। आखिरकार, यात्रा का एक मंद–मंद उल्लेख किया गया, लेकिन खाद्यान्नों का कोई उल्लेख नहीं किया गया।दो दृष्टिकोण सामने आए। भारतीय जितना आभार के लिए उत्सुक थे, बांग्लादेशी पक्ष भारतीयों को इससे वंचित करने के लिए उतना ही दृढ़ था। याद रखें कि हमने अपने बुजुर्गों से क्या सीखारू अच्छा करो और भूल जाओ।प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल, हमेशा लीक से हटकर सोचते थे, कभी–कभी साउथ ब्लॉक को अच्छी तरह से पढ़े बिना, उन्होंने मुझे जनवरी 1998 में ढाका में आयोजित भारत– पाकिस्तान बांग्लादेश शिखर सम्मेलन में अपने साथ आने के लिए आमंत्रित किया।इस यात्रा पर मैं अपने दोस्तों के साथ था, सभी बंगाल से थेरू निखिल चक्रवर्ती, तरुण बसु और हर चटर्जी, मुखर्जी, सेन, घोष जो मेरे पास ही थे। इसमें एक तरीका था। मुझे शामिल किया गया, बस, भारतीय टीम को मुस्लिम स्वाद प्रदान करने के लिए।प्रेस प्रतिनिधिमंडल के इमिग्रेशन और कस्टम्स से बाहर निकलने के तुरंत बाद ही, पत्रकारों का एक खुशमिजाज, लगभग आनंदित समूह कस्टम्स हॉल से बाहर निकल आया और आने वाले पत्रकारों से घुल–मिल गया, एक–दूसरे को गले लगा लिया। "बाप रे बाप", "की खबर", "भालो, भालो" और अन्य बंगाली अभिवादन, मुझे नहीं पता। मैंने अपने पूरे जीवन में कभी भी अपनी इस्लामी पहचान के साथ इतना अकेलापन महसूस नहीं किया, जितना प्रधानमंत्री ने मुझे यात्रा के लिए दिया।भाषाई क्षेत्रवाद ने इस्लाम को बहुत पीछे छोड़ दिया। क्या यह वही नहीं था

जिसने 1971 में बांग्लादेश के जन्म के समय दो–राष्ट्र सिद्धांत को ध्वस्त कर दिया था?वापसी के रास्ते में मैं तरुण बसु के चेहरे पर स्थायी मुस्कान के रूप में अत्यधिक संतुष्टि के भाव को कभी नहीं भूल सकता। वह व्यक्ति पद्मा नदी से भरा एक बड़ा आइस–बॉक्स ले जा रहा था, जो चित्तरंजन पार्क में उसके घर के बाहर एक छोटी मछली की दुकान खोलने के लिए पर्याप्त था।क्रिसमस और नए साल के दौरान, किसी की सामाजिक लोकप्रियता का अंदाजा ड्राइंग रूम के कॉर्निस पर लगे ग्रीटिंग कार्ड की संख्या से लगाया जा सकता है। जब भी मुझे नए साल में शानदार आर्ट पेपर पर कोई ग्रीटिंग कार्ड मिला, तो मैंने उसे अपने दोस्तों के साथ शेयर किया। अप्रैल के मध्य में डॉ. मुरली मनोहर जोशी की हस्तलिपि पढ़ने के बाद, मैंने इसे डॉ. जोशी की विलक्षण विलक्षणताओं में से एक के रूप में स्वीकार कर लिया। मुझे तब ज्ञान की प्राप्ति हुई जब मैं 15 अप्रैल को बंगाली नववर्ष पोइला बैसाख के सबसे शानदार उत्सव के लिए खुद को ढाका में पाया।मैदान रंगों से भरा हुआ थारू पुरुष रंग–बिरंगे कुर्ते पहने हुए थे और महिलाएं सभी रंगों की साड़ियों में। बिना बिंदी के कोई माथा नहीं था। प्रसिद्ध संपादक महफूज अनम के निवास पर एक लंच पार्टी में, उत्सव अकल्पनीय पैमाने पर था। उनकी पत्नी बिंदियों से भरी एक ट्रे लेकर प्रवेश द्वार पर खड़ी थीं, जिसे उन्होंने प्रवेश करने वाले सभी महिलाओं के माथे पर लगाया।दूर से, एक प्यारी सी आवाज रवींद्र संगीत गा रही थी, जो नजरुलगीत के साथ–साथ थी, जो टैगोर के गीतों के विपरीत, विडंबना यह है कि तांडव, दुर्गा, काली और शिव से भरपूर है।

ब्रिटेन में मध्यम आयु वर्ग में कट्टरपंथ

विनोद

इंग्लैंड और उत्तरी आयरलैंड में फैली हिंसक अशांति की तस्वीरों को ध्यान से देखें और आप कुछ ऐसा देखेंगे जिसके बारे में बात नहीं की जा रही है। पुलिस से लड़ते, हमला करते और इमारतों में आग लगाते हुए दिखाई देने वाले दंगाई अक्सर मध्यम आयु वर्ग के होते हैं – 40, 50 और 60 के दशक के लोग, नस्लवादी गालियाँ देते और पुलिस से लड़ते हुए।3 अगस्त को सुंदरलैंड में गिरफ्तार किए गए 11 लोगों में से चार इस जनसांख्यिकी में फिट बैठते हैं। गिरफ्तार किए गए और आरोपित लोगों में से एक 69 वर्षीय पुरुष पेंशनभोगी था। मध्यम आयु वर्ग के लोगों का कट्टरपंथीकरण एक उभरती हुई लेकिन अनदेखी की गई घटना है जिसे इन दंगों ने सामने लाया है, संभवतः ऑनलाइन गलत सूचना के प्रसार के स्पष्ट लिंक के कारण। जैसा कि मेरे चल रहे शोध में पाया जा रहा है, यह समूह फर्जी खबरों और षड्यंत्र के सिद्धांतों से गुमराह होने के लिए कमजोर है। मध्यम आयु वर्ग के लोगों को अक्सर एक समूह के रूप में 50 से अधिक के साथ जोड़ा जाता है, जिसमें बहुत बूढ़े लोग शामिल होते हैं – एक जनसांख्यिकी जिसके साथ उनका बहुत कम समानता है। मध्यम आयु वर्ग के लोग षडिजिटल मूल निवासीष नहीं हैं, लेकिन वे ऑनलाइन हैं। और, महत्वपूर्ण बात यह है कि वे वास्तव में युवा लोगों की तुलना में ऑनलाइन गलत सूचना के खतरों के बारे में कम जानकारी रखते हैं क्योंकि वे उसी तरह से शिक्षा के लक्ष्य नहीं रहे हैं। इन दिनों, युवा लोगों को ऑनलाइन दुनिया में सुरक्षित तरीके से नेविगेट करने के तरीके के बारे में शिक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन मध्यम आयु वर्ग के लोग इस अवसर से चूक गए। जब एक समूह ने साउथपोर्ट में एक मस्जिद पर हमला किया, तो उनकी हरकतें इस गलत धारणा पर आधारित प्रतीत हुईं कि एक दिन पहले क्षेत्र में मारे गए तीन बच्चों पर किसी मुस्लिम या अप्रवासी ने हमला किया था। सच में, हमले के लिए हिरासत में लिया गया युवक इनमें से कोई भी नहीं है। इसलिए ऑनलाइन गलत सूचना और यहां तक घ्कि गलत सूचना ने भी इसमें भूमिका निभाई है। एक अनदेखा समूह इस मध्यम आयु वर्ग के समूह और सोशल मीडिया के माध्यम से चरमपंथ के प्रति उनकी संवेदनशीलता को समझने की हमारी आवश्यकता यूरोपीय संघ द्वारा वित्त पोषित शोध परियोजना के पीछे प्रेरक शक्ति थी, जो वर्तमान में अपने दूसरे वर्ष में है। पहली बार, यूरोप भर के शोधकर्ता 40 से 60 के बीच की उम्र के लोगों पर नजर डाल रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि सोशल मीडिया और ऑनलाइन सामग्री की कौन सी विशेषताएँ उन्हें चरमपंथ की ओर जाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। बुजुर्ग लोगों के राजनीतिक रूप से जुड़े होने और वोट देने की संभावना ज्यादा होती है। और इस समूह में, लगभग मध्यम आयु वर्ग के लोग सबसे ज्यादा जुड़े हुए हैं। इसलिए वे प्रभावशाली हैं। उनके पास अक्सर मजबूत राजनीतिक विचार भी होते हैं। लेकिन यह समूह कुछ हद तक अदृश्य है। जब हम आवास संकट, जीवन यापन की लागत या छ्रै के बारे में बात करते हैं, तो लोग सबसे पहले उनके बारे में नहीं सोचते हैं। युवा लोग लंबे समय से मुख्यधारा के मीडिया और वाणिज्य का लक्ष्य और केंद्र रहे हैं, जो इंटरनेट के आगमन के बाद से और भी तेज हो गया है। एक उदाहरण के तौर पर, विज्ञापनों में लगभग विशेष रूप से युवा लोगों का इस्तेमाल सामानों को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है। बुजुर्ग लोगों को किसी ऐसी चीज का विज्ञापन करते देखना दुर्लभ है जो सीधे उन पर लक्षित न हो। उनके वित्तीय वजन के बावजूद, उत्पादों का विपणन आम तौर पर मध्यम आयु वर्ग के लोगों के लिए नहीं किया जाता है। इसलिए लोगों का एक पूरा समूह सांस्कृतिक रूप से बहिष्कृत या हाशिए पर जा रहा है। समाज के सभी पहलुओं पर युवाओं के इस फोकस के कारण, हम मध्यम आयु वर्ग के लोगों को ऑनलाइन कट्टरपंथी बनने की पहली पंक्ति में नहीं मानते हैं। हमारे पास युवा, प्रभावशाली लोगों को गुमराह किए जाने की कल्पना करने की प्रवृत्ति है। इसलिए कुछ लोग इंग्लैंड और उत्तरी आयरलैंड में इतना नुकसान पहुँचाने वाली भीड़ में इतने सारे वृद्ध लोगों को देखकर आश्चर्यचकित थे। जब किसी भी तरह के समूहों को नजरअंदाज किया जाता है, तो उनके बहिष्कार और अलगाव की भावनाएँ इंटरनेट के किनारे को और अधिक आकर्षक बनाती हैं।

सिर्फ जीडीपी काफी नहीं

वीर

विश्व के लगभग सभी देश अपनी अर्थव्यवस्था को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मानकों से आंकते हैं। भूटान सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता (ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस) को अपना सबसे बड़ा आधार मानता है। लेकिन 19 जुलाई को उत्तराखंड ने अपनी अर्थव्यवस्था के आकलन के लिए जिस मानक की घोषणा की, वह अद्वितीय है। सकल पर्यावरणीय उत्पाद (जीईपी) को अपनी अर्थव्यवस्था का मानक मानने वाला यह हिमालयी राज्य देश का पहला ऐसा राज्य है, जो दुनिया भर के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन गया है। हालांकि ऐसी आर्थिक विकास की नीति कोस्टारिका तथा कुछ अन्य देशों में आंशिक रूप से प्रभावी है। इस अवधारणा को आगे बढ़ाने के लिए वर्षों से प्रयासरत पर्यावरणविद डॉ अनिल जोशी और उत्तराखंड प्रशासन की यह पहल स्वागत योग्य है, परंतु इस पर इतनी चर्चा नहीं हो रही, जितनी होनी चाहिए। जीडीपी आर्थिक प्रदर्शन का व्यापक रूप से स्वीकृत माप है, परंतु आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी पर्यावरणीय लागतों और लाभों को ध्यान में रखते हुए यह आर्थिकी के वास्तविक आकलन की एक कमजोर कड़ी है। जबकि सकल पर्यावरणीय उत्पाद (जीईपी) की अवधारणा मानव सहित सभी जीवों के कल्याण और अर्थव्यवस्था में प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र के योगदान को मापने के सार्थक दृष्टिकोण के रूप में उभरी है। महात्मा गांधी ने जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली, न कि लालच की पूर्ति करने वाली, आर्थिकी का दर्शन दिया था। सुंदरलाल बहुगुणा ने श्पारिस्थितिकी ही स्थायी आर्थिकी हैश का सिद्धांत दिया था। सकल पर्यावरणीय उत्पाद (जीईपी) एक अभिनव मानदंड है, जिसे प्रकृति द्वारा प्रदान की गई पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को मापने और महत्व देने के लिए तैयार किया गया है। जीईपी का लक्ष्य इन विविध योगदानों को एकल मौद्रिक मूल्य में समाहित करना है, जो आर्थिक और सामाजिक कल्याण के समर्थन में प्राकृतिक पूंजी के वास्तविक मूल्य को दर्शाता है। जीईपी मूल्यांकन पर्यावरणीय कारकों को शामिल करके आर्थिक प्रदर्शन का अधिक व्यापक मूल्यांकन प्रदान करता है। प्रकृति के नियमों के साथ पूर्ण राजनीतिक निष्ठा से जीईपी को अपनाने से सतत राष्ट्रीय विकास प्रथाओं को प्रोत्साहन मिल सकता है। यह बदलाव अधिक संतुलित और दीर्घकालिक विकास रणनीतियों को जन्म दे सकता है, जो आर्थिक विकास का तालमेल पर्यावरणीय प्रबंधन के साथ बनाए रखती है।

वैसे जीईपी की अवधारणा भौगोलिक क्षेत्र और सामाजिक–सांस्कृतिक ताने–बाने के अनुरूप भिन्न हो सकती है, लेकिन सामान्यतः इसकी गणना में कई चरण और पद्धतियां समाहित हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं की जटिलता और विविधता को दर्शाती हैं। पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्यांकन में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख दृष्टिकोण हैं रू बाजार–आधारित मूल्यांकन, प्रतिस्थापन लागत विधि, आकस्मिक मूल्यांकन और लाभ अंतरण। जीईपी का उद्देश्य एक ही है–पारिस्थितिकी–केंद्रित सतत सामजिक–आर्थिक–सांस्कृतिक विकास। उत्तराखंड में जो जीईपी लागू किया जाना है, उसमें पर्यावरण के चार घटकों (जल, वायु, वन और मिट्टी) संबंधी सूचकांक शामिल हैं। आर्थिक विकास की नीतियों, योजनाओं और प्रक्रियाओं में पर्यावरण के इन घटकों की गुणवत्ता सुनिश्चित रखना किसी भी प्रशासन का नैतिक दायित्व है और इसे मूर्त रूप देने में उत्तराखंड सरकार ने पर्यावरण–नैतिकता के प्रदर्शन का साहस दिखाया है। जीईपी को कार्रवाई योग्य नीतियों और निर्णयों में बदलने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और संस्थागत क्षमता की आवश्यकता है। सरकारों और संगठनों को अपनी योजना प्रक्रियाओं में जीईपी को एकीकृत करने और पर्यावरणीय स्थिरता के साथ आर्थिक प्रोत्साहन में तालमेल बनाना चाहिए। उत्तराखंड में एक जीईपी सेल की स्थापना की बात कही गई है, जो जीईपी के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगी। जीईपी को नीति आयोग के साथ जोड़ने और इसे पूरे देश के लिए लागू करने की आवश्यकता है। जीईपी आर्थिक प्रगति और स्थिरता पर पुनर्विचार करने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रदान करता है।

संयुक्त रजत की जरूरत नहीं, विनेश की उपलब्धि बेमिसाल

ललित

खेल के बारे में कुछ बहुत ही अंतिम होता है। विजेता और हारने वाले। खेल खेलने के बारे में वे आपको चाहे जो भी बताएं, अंतिम परिणाम वही होता है जो दर्ज किया जाता है और याद रखा जाता है। कोई रिकॉर्ड यह नहीं कहेगारू "३और जो दूसरा पक्ष हार गया, उसने खेल की भावना से खेल को बहुत अच्छे से खेला" ।और फिर भी। बेशक एक "और फिर भी" होना चाहिए। क्योंकि कभी–कभी खेल जीत से कहीं बढ़कर होता है। यह खुद से ऊपर उठने के बारे में है। यह आपके द्वारा किए जा सकने वाले सर्वश्रेष्ठ होने के बारे में है। यह सभी बाधाओं के खिलाफ लड़ने के बारे में है, चाहे परिणाम कुछ भी हो। यह यह जानने के बारे में भी है कि आप कमजोर हो सकते हैं। यह जानना कि कुछ पल आपके हिसाब से नहीं होंगे। चाहे आप जीतने में कितने भी अच्छे क्यों न हों, हारना अपरिहार्य है।जीतने और हारने की लड़ाई लगभग रुडयार्ड किपलिंग की कविता के एक क्लिच की तरह है। यही कारण है कि यह विंबलडन में है, जब टेनिस खिलाड़ी सेंटर कोर्ट में प्रवेश करने का इंतजार करते हैंरू "यदि आप विजय और पराजय का सामना कर सकते हैं, और उन दो धोखेबाजों के साथ एक जैसा व्यवहार कर सकते हैं"। और फिर ऐसे लोग भी हैं जो अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र से बाहर लड़ते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अपने खेल में कोई लाभ खो देते हैं, अगर उन्हें निरस्त कर दिया जाता है, अगर उन्हें दंडित किया जाता है और अपमानित किया जाता है। वे अभी भी खुद से परे और बाहर कुछ के लिए लड़ते हैं।दुनिया भर में जो नाम दिमाग में आता है वह है मुक्केबाज मुहम्मद अली का। उन्होंने जेल की सजा का जोखिम उठाया क्योंकि उन्होंने वियतनाम युद्ध में लड़ने से इनकार कर दिया था। जैसा कि उन्होंने प्रसिद्ध रूप से कहा थारू ष्मेरी अंतरात्मा मुझे अपने भाई, या कुछ काले लोगों, या बड़े शक्तिशाली अमेरिका के लिए कीचड़ में कुछ गरीब भूखे लोगों को गोली मारने की अनुमति नहीं देगी... और उन्हें किस लिए गोली मारो? उन्होंने मुझे कभी नीग्रो नहीं कहा, उन्होंने मुझे कभी नहीं मारा, उन्होंने मुझ पर कोई कुत्ता नहीं छोड़ा, उन्होंने मेरी राष्ट्रीयता नहीं छीनी, मेरे माता–पिता का बलात्कार नहीं किया और उन्हें नहीं मारा। ... उन्हें किस लिए गोली मारो? मैं उन बेचारे लोगों को कैसे गोली मार सकता हूँ? बस मुझे जेल ले जाओ।ष अली कभी जेल नहीं गए लेकिन कुछ समय के लिए उनका मुक्केबाजी लाइसेंस छीन लिया गया, जो उनकी प्रसिद्धि और गौरव का एकमात्र दावा था। अब तक। आज, न्याय और खुद पर उनके विश्वास के लिए धन्यवाद, उन्हें उनके खेल और उनके खेल से बाहर उनके विश्वास दोनों के लिए याद किया जाता है।और अब, विनेश फोगट, भारतीय पहलवान और न्याय के लिए लड़ने वाली हैं। 2023 के अधिकांश समय में, विनेश और उनके साथी पहलवान, पुरुष और महिला, मांग करते रहे कि भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख, भाजपा सांसद बृज भूषण सिंह को महिला पहलवानों के साथ लगातार यौन उत्पीड़न और उत्पीड़न के लिए जवाबदेह ठहराया जाए। विनेश ने कहा कि कम से कम 10 महिला पहलवानों ने सिंह के हमलों के बारे में उनसे बात की थी।ओलंपिक चौंपियन साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया और विश्व चौंपियन पदक विजेता विनेश विरोध प्रदर्शनों में सबसे आगे थे। बदले में, उन्हें भाजपा समर्थक मीडिया द्वारा बदनाम किया गया, टीवी पर भाजपा प्रवक्ताओं द्वारा उनका मजाक उड़ाया गया और उन्हें बदनाम किया गया और पुलिस द्वारा पीटा गया। विनेश और अन्य एक महीने से अधिक समय तक दिल्ली के फुटपाथों पर रहे, क्योंकि उन्होंने अपनी मांगों से पीछे हटने से इनकार कर दिया। उन्हें पीटा गया और गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा विनेश को जमीन पर गिराए जाने की तस्वीर ने खुद को भारतीय चेतना में दर्ज कर लिया। महिलाओं के खिलाफ अपराधों के लिए न्याय मांगने वाली एक महिला के खिलाफ प्रतिशोधी राज्य की शक्ति। यह एक ऐसी छवि थी जिसे भूलना मुश्किल है।भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने आखिरकार नरम रुख अपनाया और पुलिस ने सिंह के खिलाफ आरोप दर्ज किए। उन्हें 2024 के आम चुनावों में टिकट देने से भी मना कर दिया गया। हालांकि, सिंह के व्यवहार और हमलों को स्वीकार करने या निंदा करने वाला कोई आधिकारिक बयान कभी नहीं दिया गया और आगे कोई पुलिस कार्रवाई नहीं की गई। साक्षी मलिक ने नाराजगी में खेल से संन्यास ले लिया। विनेश और बजरंग ने भूषण सिंह के करीबी सहयोगी को नए **WFI** अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए जाने के कारण सरकार को अपने प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार लौटा दिए।विनेश के लिए अगला संघर्ष शुरू हुआ – कुश्ती के खेल को वापस पाने का। ॅ्थ में उथल–पुथल मची हुई थी और चुनाव समय पर नहीं होने के कारण यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने उसे निलंबित कर दिया था। प्रशिक्षण के दौरान उसके घुटने में चोट लग गई। निलंबन इस शर्त पर हटा दिया गया कि विरोध करने वाले पहलवानों को कोई दंड नहीं भुगतना पड़ेगा।घुटने की सर्जरी के कारण वह एशियाई खेलों से बाहर हो गई। फिर उसे एक भार वर्ग छोड़ना पड़ा क्योंकि उसकी अनुपस्थिति में, उसका स्थान किसी अन्य पहलवान ने ले लिया। उसने कम वजन वर्ग में खेलना शुरू किया और आखिरकार 50 किलोग्राम वर्ग के लिए क्वालीफाई किया। पेरिस ओलंपिक में उनके पहले दो मुकाबलों ने उनके कौशल और रणनीति को दर्शाया। और उनका दृढ़ निश्चय कि वे अपना संयम न खोएं। लेकिन विनेश जैसे पहलवानों के लिए जीत हासिल करना शायद आसान नहीं होता। दो लगभग दोषरहित मुकाबलों और एक ऐसे मुकाबलों के बाद जिसमें उन्होंने एक ऐसे चौंपियन को हराया जिसे हर कोई अजेय घोषित कर रहा था, उन्होंने पाया कि वे मात्र 100 ग्राम से हार गई हैं। बाहर से किसी को भी कुश्ती के नियम अनुचित लगते हैं। क्योंकि विनेश को न केवल वजन करने के समय फाइनल मैच से अयोग्य घोषित किया गया था, बल्कि प्रतियोगिता से भी बाहर कर दिया गया था। उनका रजत पदक छीन लिया गया, प्रतियोगिता में उनका स्थान सबसे नीचे चला गया।

बांग्लादेश के खिलाफ शिवसेना संगठन ने किया प्रदर्शन एसडीएम को सौपा ज्ञापन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। शिवसेना ने एसडीएम को ज्ञापन देकर प्रधानमंत्री मोदी से बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार रोकने की मांग की है यह मांग शिवसेना जिला अध्यक्ष गोंडा संजय शुक्ला ने की है और कहा बांग्लादेश के खिलाफ शिवसेना संगठनों का प्रदर्शन जारी रहेगा बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर शिवसेना एक होकर काम करेगा जो हिंदू संगठन का निर्माण करेगा, शिवसेना संगठन ने बांग्लादेश के खिलाफ नारेबाजी की और सड़कों पर बांग्लादेश के खिलाफ प्रदर्शन भी किया, बांग्लादेश होश में आओ नहीं तो रोहंगिया यहां से जाओ को लेकर बैनर को लेकर प्रदर्शन किया,

शिवसेना हिंदूवादी संगठन धर्म सेना के अध्यक्ष संजय शुक्ला ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर हस्तक्षेप करे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बहुत आशाएं हैं, बांग्लादेश में हिंदुओं की हो रही हत्या, सैकड़ो तोड़ दिए गए मंदिर इस पर सरकार हस्तक्षेप नहीं कर रही है तो शिवसेना संगठन सड़क पर उतरेंगे, बांग्लादेश तक आंदोलन करेंगे।

'शहीद आबिद खान की शहादत को किया सलाम'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' तहसील सवायजपुर के उपजिलाधिकारी ने कारगिल युद्ध में शहीद हुए पाली कस्बा निवासी जाँबाज अमर शहीद आबिद खां की मजार पर पहुंच कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देकर उनकी शहादत को याद किया। साथ ही उन्होंने वहां पहुँच कर मजार के आसपास साफ– सफाई की व्यवस्था के साथ–साथ उस परिसर में पौधारोपण कर पौधों को जल देने का पुनीत कार्य किया। तत्पश्चात एसडीएम संजय कुमार अग्रहरि शहीद आबिद खां के आवास पर पहुँचे। और उन्होंने ऐसे वीर शहीद के परिजनों से मिलकर कुशलक्षेम जाना। एसडीएम ने शहीद आबिद खां की शहादत को याद करते हुए शहीद के परिजनों को पुष्प गुच्छ भेंटकर शाल ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया। आपको बता दें कि 1999 में भारत पाकिस्तान के बीच कारगिल युद्ध में पाली कस्बे के रहने वाले शहीद आबिद खां पाकिस्तान के 17 सैनिकों को ढेर कर वीरगति को प्राप्त हो गये थे।

'जिलाधिकारी ने हर घर तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर–' जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत कलेक्ट्रेट परिसर से तिरंगा यात्रा रैली को हरी झण्डा दिखाकर रवाना किया। तिरंगा यात्रा रैली खिरनीबाग स्थित शहीद स्तम्भ होते हुये, शहीद उद्यान पर संपन्न हुई।

उन्होंने कहा कि जनपद के समस्त कॉलेजों, विद्यालयों, संस्थानों एवं संगठनों द्वारा हर घर तिरंगा अंतर्गत तिरंगा यात्रा रैली निकाली जा रही है इसमें सभी लोग बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन को याद रखने एवं श्रद्धा रखने के लिए देशभक्ति के प्रति तिरंगा यात्रा का आयोजन हो रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन में शहीद हुए शहीदों के प्रति सम्मान तथा कैसे स्वतंत्रता मिली है, के भाव जागृत करने के लिए ऐसी रैली का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान 13 अगस्त से 15 अगस्त तक मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनपद में कोई भी छत ऐसी ना हो जिस पर तिरंगा ना फहरे, हर घर में तिरंगा फहराया जाये, इसमें सभी नागरिक बढ़–चढ़कर हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि देश के अमर शहीदों एवं बलिदानों को नहीं भुलाया जा सकता है। अमर शहीदों की याद में व तिरंगा देश की आन, बान व शान का संदेश देते हुए एक तिरंगा यात्रा निकाली गई है। इस अवसर पर नगर आयुक्त डॉ0 विपिन कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पाण्डेय, डीओ फूड चंद्रशेखर मिश्र, जिला विद्यालय निरीक्षक हरिवंश कुमार, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मो० खालिद सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मेरा देश महान है देशभक्ति गीत का प्रीमियर हुआ, जनपद के लोगों ने एक सुर में गया मेरा देश महान है

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के मोहम्मद हसन डिग्री कॉलेज में मंगलवार को मेरा देश महान है देशभक्ति गीत का प्रीमियर हुआ। गीत जनपद के विभिन्न स्थानों पर शूट किया गया है। इसमें जिले के समाजसेवी व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि एडिशनल एसपी शैलेंद्र सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि देशभक्ति गीतों से तनमन में नई ऊर्जा का संचार होता है। गीत को बहुत ही शानदार ढंग से फिल्माया गया है। सराहनीय कार्य के लिए पूरी टीम बधाई की पात्र है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस तरह के देशभक्ति गीत जरूर बनना चाहिए। विशिष्ट अतिथि टीआई जीडी शुक्ला ने कहा कि पुलिस परिवार में देश सेवा कूट कूट कर भरी रहती है। गीत के माध्यम से जो देशभक्ति दिखाई गई है वो सराहनीय है। ऐसी गीत बनते रहने चाहिए। गीतकार अनीस जहां ने कहा कि देशभक्ति गीत के माध्यम से युवाओं में ऊर्जा भरी जा सख्ती है। इसके पूर्व कार्यक्रम के अध्यक्ष व कॉलेज के प्राचार्या डॉ अब्दुल कादिर खां ने सभी का स्वागत और किया। आये हुए अतिथियों को गीत के डायरेक्टर सागर शान ने शाल और मोमेंटो देकर स्वागत किया। लखनऊ से आये सागर शान ने आभार जताते हुए कहा कि वे जौनपुर के ही मूल निवासी हैं। देशभक्ति गीत के माध्यम से हर किसी को जोड़ा जा सकता है। जब देश की बात आती है तो हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई समेत सभी धर्म के लोग एकसाथ खड़े दिखाई देते हैं।

रिदम एंटरटेनमेंट बैनर के तले निर्मित मेरा देश महान है गीत को सभी ने सराहा। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया। गीत में रवींद्र सिंह ज्योति, आशीष माली,, डॉ विवेक श्रीवास्तव, डॉ अंजू कनौजिया वासु अग्रहरि, प्रदीप राकस्टार, सुराज सिंह आदि की भागीदारी रही। कार्यक्रम में राजकुमार कुमार सिंह, आरिफ हुसैनी, दीपक। श्रीवास्तव। जावेद अहमद काजू सिंह, जुबैर अहमद,, राज सैनी, राजेंद्र सिंह, दुर्गेश सिंह, नेहा सिंह, हर्ष वर्धन रघुवंशी, वासु अग्रहरि, विशाल सेठ, मिनाज शेख, डॉ जीवन यादव, सरला महेश्वरी, आकांक्षा दिवेदी, शालिनी सिंह, मनु सिंह, अब्दुल्लाह तिवारी आदि उपस्थित रहे।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में दिनांक 13 अगस्त को एक वृक्ष– एक छात्र एवं एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत बागवानी एवं सौंदर्यीकरण अनुभाग और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वाधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी की कार्यवाहक संकायाध्यक्ष प्रो. यू.वी. किरन ने अन्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों साथ मिलकर विश्वविद्यालय परिसर में पौधे लगाये।

समस्त कार्यक्रम के दौरान डॉ. मंगलदीप गुप्ता, डॉ. अर्जुन प्रसाद, डॉ. इशांत श्रीवास्तव, डॉ. पद्म जी. ओमार, डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ. गौरव बाजपेयी, डॉ. अंशुल अग्रवाल, डॉ. बलराज, डॉ. अनुराधा सोनकर, डॉ. एम. एस. चौहान, विभिन्न शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहें।

बीबीएयू में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के गौतमबुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय पद्मश्री एसआर रंगनाथन की 132वीं जयंती की याद में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस मनाया। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. सुनील गोरिया ने छात्रों और संकाय के सदस्यों लिए एक उत्तरदायी और समग्र बौद्धिक वातावरण के निर्माण में पुस्तकालयों की भूमिका और योगदान पर चर्चा की।उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों में साहित्यिक चोरी के बारे में जागरूकता बढ़ाने, शैक्षणिक प्रकाशन में नवीनतम रुझानों को उजागर करने और राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के महत्व को सामने लाने पर जोर दिया। उप पुस्तकालयाध्यक्ष ओ.पी. सैनी,आर. के. गुप्ता,भूपेंद्र सिंह,विभिन्न विभागों के प्राध्यापक, छात्र समेत सभी कर्मी मौजूद रहे।

मीडिया एवं संचार संकाय की ओर से रोपे गए पौधे

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में एक वृक्ष– एक छात्र एवं श्एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत बागवानी एवं सौंदर्यीकरण अनुभाग और मीडिया संचार स्कूल की ओर से भी वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संकायाध्यक्ष प्रो.गोपाल सिंह ने की।डॉ.कुंवर सुरेन्द्र बहादुर,डॉ. लोकनाथ, डॉ. रचना गंगवार,डॉ. अरविन्द सिंह, शोध छात्र रंजीत, अरविन्द, साहेब, रितिका, छात्र वीरेंद्र विक्रम सिंह, वितुल कन्नौजिया, रानू कुमार आदि मौजूद रहे।

मीडिया प्लानर ग्रुप ने श्रीलंका में फहराया पताका, चेयरमैन अनुराग बत्रा इंडो श्रीलंका बांड्स अवार्ड 2024 में सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में मशहूर मीडिया प्लानर ग्रुप ने इस बार श्रीलंका में अपना पताका फहराया है। कंपनी को इंडो श्रीलंका बांड्स अवार्ड 2024 में सम्मानित किया गया है। कंपनी के चेयरमैन अनुराग बत्रा को यह सम्मान कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महामहिम शिरंथी राजपक्षे द्वारा दिया गया। राज धानी कोलम्बो के इस भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीलंका क्रिकेट के पूर्व कप्तान हसन तिलकरत्ना, लीजेंड क्रेकेट कैप्टन अर्जुन रणतुंगा, विश्व प्रसिद्ध शेफ पाबिलिस, अभिनेत्री रशीप्रभा संदीपनी और निलुशी पवन्या सहित भारत और श्रीलंका समेत कई देशों से हस्तियां मौजूद रही। चेयरमैन अनुराग बत्रा ने मीडिया से बातचीत के दौरान आयोजन का निर्देशन कर रहे दुष्यंत प्रताप सिंह को धन्यवाद दिया।

स्टडी हॉल ने सामाजिक न्याय पर प्रकाश डालते हुए इंटर स्कूल नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। स्टडी हॉल द्वारा संत गाडगे जी महाराज ऑडिटोरियम, गोमती नगर में आयोजित अंतर–विद्यालय नाटक प्रतियोगिता में प्रतिभा और सामाजिक जागरूकता का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला। इस कार्यक्रम में लखनऊ के पांच प्रतिष्ठित स्कूलों –सीएमएस गोमती नगर, सेठ एमआर जयपुरिया, लोरेटो, विद्यास्थली और मॉडर्न एकेडमी ने भाग लिया। प्रतियोगिता का विषय सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक चेतना को बढ़ावा देना था, और इसका मूल्यांकन प्रसिद्ध रंगमंच व्यक्तित्वों द्वारा किया गया, जिनमें शामिल थे दृ कनक रेखा चौहान, लखनऊ और कानपुर साहित्य महोत्सव की संस्थापक निदेशक, डॉ. मीनाक्षी पाहवा, लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व अंग्रेजी प्रोफेसर, और फैसल हुसैन, थियेटर ग्रुप एक्टर्स के क्रिएटिव डायरेक्टर। डॉ. मीनाक्षी पाहवा ने कहा, "इन युवा प्रतिभाओं को हमारे समाज में इतने महत्वपूर्ण मुद्दों पर इतनी दृढ़ता के साथ प्रदर्शन करते देखना अत्यंत प्रेरणादायक है। नाटक जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नाटक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो बच्चों को महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को समझने और सुरक्षित वातावरण में प्रतिरोध का अभ्यास करने में मदद करता है। स्टडी हाल में हम नाटक, पढ़ाई, लेखन और आलोचनात्मक संवादों को मिलाकर बच्चों को सशक्त बनाने का प्रयास करते हैं। स्टडी हॉल में 10वीं कक्षा के छात्र उपलाब्धि ने कहा, हम रूढ़िवादिता को चुनौती देने और एक समतापूर्ण समाज का निर्माण करने की आवश्यकता के बारे में सामूहिक चेतना को बढ़ाने के लिए नाटक का उपयोग कर रहे हैं। मुझे इस नाटक के दौरान काफी कुछ नया सीखने को मिला है। हम अपने समाज में मौजूद असमानताओं को उजागर करने के लिए नाटक का उपयोग कर रहे हैं। मैं इस मुद्दे का समर्थन करने और भविष्य में सामाजिक न्याय के लिए प्रयास करने के लिए दृढ़ हूं। विद्यास्थली स्कूल की खुशी ने कहा, जिन्होंने नाटक व्हाई व्हाई गर्ल में मोयना की मुख्य भूमिका निभाई थी। जजेस ने सभी नाटकों की सराहना की और सर्वश्रेष्ठ नाटक, सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष/महिला) और सर्वश्रेष्ठ स्टेज सेटिंग की श्रेणियों में प्रतिभागियों को सम्मानित करने वाले पुरस्कार समारोह के साथ शाम का समापन किया। नाटक प्रतियोगिता में स्टडी हॉल विजेता रहा, विद्यास्थली को दूसरा और मॉडर्न एकेडमी को तीसरा स्थान मिला। इस कार्यक्रम ने विभिन्न स्कूलों के सभी छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया।

परिवार कल्याण कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने के लिए निजी अस्पतालों ने स्वास्थ्य विभाग से मिलाया हाथ

अयोध्या। स्वास्थ्य विभाग व द चौलेंज इनिशिएटिव इंडिया–पीएसआई इंडिया के सहयोग से गोष्ठी का आयोजन किया गया।परिवार नियोजन कार्यक्रम को गति देने को जनपद के निजी चिकित्सकों व निजी अस्पतालों ने स्वास्थ्य विभाग से हाथ मिलाया है।शहरी क्षेत्र के निजी अस्पतालों के परिवार कल्याण कार्यक्रम में योगदान पर मंथन को लेकर मंगलवार को सीएमओ डॉ. संजय जैन की अध्यक्षता में गोष्ठी आयोजित हुई।इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में द चौलेंज इनिशिएटिव (टीसीआई) व पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) के सहयोग से आयोजित गोष्ठी में जनपद के विभिन्न निजी अस्पतालों की करीब 25 प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया।सीएमओ ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संयुक्त प्रयास से परिवार नियोजन सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित गोष्ठी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय जैन ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में यह एक सराहनीय पहल है।उन्होंने कहा कि समय–समय पर बैठक आयोजित कर निजी क्षेत्र को इस पहल से मजबूती से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन से सम्बन्धित आईईसी सामग्री (पोस्टर–बैनर) को निजी चिकित्सालयों में निर्धारित स्तर पर प्रदर्शित किया जाए और काउंसिलिंग के दौरान उनका इस्तेमाल किया जाए। परिवार कल्याण सेवाओं को हेल्थ मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) पोर्टल पर हर महीने निश्चित रूप से अपलोड कराना सुनिश्चित किया जाए। प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी की आगामी बैठकों में सहभागिता सुनिश्चित की जाए। इसी क्रम में चिकित्सालय स्तर पर मास्टर कोचेच और टीसीआई दृ पीएसआई इंडिया के सहयोग से गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने और बेहतर समन्वय के लिए बड़े पैमाने पर ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया जाए। इस मौके पर प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी की अध्यक्ष डॉ मंजूषा पांडे ने कहा कि उच्च प्रभावी हस्तक्षेप, प्रसवोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं से जोड़ने, क्षमता निर्माण और आंकड़ों के संग्रह पर जोर दिया जाए ताकि योजनाओं के निर्माण में उनका सही इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने निजी चिकित्सकों से कहा कि परिवार नियोजन रजिस्टर पर प्राइवेट प्रोवाइडर द्वारा सेवाओं को नियमित रूप से दर्ज किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को सोसायटी की आगामी बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित भी किया। सीएमओ डॉ.संजय जैन ने परिवार नियोजन रिकार्ड रजिस्टर को अपडेट करने और प्रसवोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं को अपनाने के बारे में जागरूकता लाने के निर्देश दिए । पीएसआई–इंडिया मैनेजर अमित बाजपाई ने एचएमआईएस पोर्टल एवम वर्तमान उपलब्धि को बेहतर करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी।पीएसआई–इंडिया की तरफ से शुभ्रा त्रिवेदी और एसीएमओ डॉ डी के शर्मा,अर्बन नोडल डॉ. वी पी त्रिपाठी ने परिवार कल्याण कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर पीएसआई–इंडिया के अमित बाजपेयी, डीएचईआईओ डी पी सिंह,अजय, चंद्रजीत, फिरोज, अनुराग यादव जे0एस0आई0 मॉनिटर अर्बन यदुवीर सिंह, रामेश्वर त्रिपाठी आदि उपस्थित थे।

एसएसपी ने किया चार निरीक्षक व चार उप निरीक्षक के कार्यक्षेत्र में फेरबदल

अयोध्या। एसएसपी राज करन नय्यर ने चार निरीक्षक व चार उपनिरीक्षक के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया। फेरबदल की कड़ी में जहां एक ओर एसएसपी ने पूरा बाजार चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया वही देवकाली चौकी प्रभारी को रौनाही थाना पर भेज दिया।उन्होंने चौकी प्रभारी पूरा बाजार आलोक कुमार सिंह लाइन हाजिर कर पुलिस लाइन भेजने का फरमान जारी कर दिया।वही देवकाली चौकी प्रभारी रहे बृजेन्द्र नाथ मिश्र को थाना रौनाही भेज दिया।

जबकि सुचितागंज चौकी प्रभारी रहे अनुराग पाठक को उन्होंने चौकी प्रभारी देवकाली व थाना खंडासा में रहे हरिशंकर राय को चौकी प्रभारी पूरा बाजार का प्रभार सौंपा।निरीक्षक शशिकांत यादव को प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम थाना,निरीक्षक आलोक कुमार सिंह को अपराध शाखा,निरीक्षक विश्वनाथ प्रसाद यादव को प्रभारी यूपी 112 तथा निरीक्षक जनार्दन सिंह को अपराध शाखा भेजा।

जश्न ए आजादी ट्रस्ट ने किया पौधा रोपण का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। जश्न ए आजादी ट्रस्ट की और से गोल्ड सिटी, अमरसण्डा, कुर्सी रोड में आम पीपल,आंवला, नीम, पाकड़, जामुन आदि के पेड़ो को लगाकर पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।आज लखनऊ में वृक्षों की कमी और ग्लोबल वार्मिंग को देखते हुए इस कार्यक्रम के द्वारा समाज को जागृत करने का प्रयास किया गया।इस कार्यक्रम में जश्ने आजादी ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य श्री मुर्तजा अली (समाजसेवी)की देखरेख में किया गया।वृक्षारोपण कार्यक्रम के प्रभारी जावेद सिद्दीकी थे।इस अवसर पर जावेद सिद्दीकी ने बताया कि कल से ही वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है।इस कार्यक्रम में बाराबंकी और लखनऊ के तमाम लोगों ने शिरकत किया।जिसमें मुख्य रूप से मुरलीधर आहूजा निगहत खान,वामिक खान, रजिया नवाज,मोहम्मद जुबेर,अब्दुल वहीद, कुदरत उल्ला खान, संजय सिंह, जावेद सिद्दीकी, अशरफ, फहद, शालू सिंह, हलीमा, अजीम, मोहम्मद कैफ खुर्शीद सिद्दीकी, अदनान आदि लोगों ने शिरकत किया।

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद की मांग बंग्लादेश के हिन्दुओं की रक्षा की जाय – अजय पाण्डेय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिस प्रकार बग्लादेश में बड़े हिंसक एवं उग्र आन्दोलन के कारण सम्पूर्ण कानून व्यवस्था और सरकार पूरी तरह से ध्वस्त हो गयी है। भारत सरकार यह सभी घटनाओं के प्रति जागरूक है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक भी हो गयी है और बी०एस०एफ० भी एलर्ट है बंग्लादेश में आन्दोलन करने वालों में बड़ा हिस्सा भारत विरोधी, हिन्दू विरोधी ऐसे समुदाय का है, जिसमें जमाते इस्लाम की प्रमुख भूमिका है। इस आन्दोलन में जानबूझकर हिन्दूओं को निशाना बनाकर जगह–जगह पर हिन्दुओं पर हमले, घरों को लूटना, जलाना, मन्दिर तोड़ना, मूर्तियों तोड़ना और हिन्दुओं की हत्या का ताण्डव चल रहा है। भारत सरकार यह सभी स्थिति पर नजर बनाये रखकर कदम उठा रही है। उसका अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद पुरजोर समर्थन करती है। अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद की मांग है कि बंग्लादेश के हिन्दुओं की रक्षा की जाय और बंग्लादेश के हिन्दुओं की रक्षा के लिए अब भी बंग्लादेश में नियन्त्रम करने वाले बंग्लादेश की सेना के प्रमुख से सीधी बात की जाय। कुछ वर्ष पहले जब इसी तरह की घटना हुई थी तब भारत सरकार बंग्लादेश की सेना से प्रमुख से सीधी बातचीत करके हिन्दुओं की रक्षा करने के लिए उन्हें बाध्य किया था। हमारा पूर्ण विश्वास है कि भारत सरकार तुरन्त बंग्लादेश की सेना प्रमुख से बात करके बंग्लादेश के हिन्दुओं की रक्षा करेगी और उसके लिए आवश्यकता हो तो बग्लादेश को कड़ी चेतावनी भी दी जाय । इन सभी मुद्दों पर विशेष ध्यान रखते हुए भारत में रहने वाले बांग्लादेशी कट्टरपंथियों, जेहादी मानसिकताओं वाले रोहिंग्यानो को तत्काल प्रभाव से उन्हें बाहर निकालने का आदेश जारी किया जाय।

मकसूदापुर चीनी मिल करें त्वरित किसानों का गन्ना मूल्य भुगतान'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' सोमवार को जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में गन्ना मूल्य भुगतान की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में मकसूदापुर चीनी मिल बण्डा पर 119.92 लाख रुपए का गन्ना मूल्य भुगतान लंबित होने पर जिलाधिकारी ने मकसूदापुर चीनी मिल के प्रबंधक को निर्देश दिए कि किसानों के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान के लिए त्वरित कार्य योजना प्रस्तुत करें, अन्यथा कि स्थिति में इस वर्ष गन्ना आवंटन न किये जाने हेतु गन्ना आयुक्त शासन को पत्र लिख दिया जायेगा। उन्होंने चीनी मिलों को प्राथमिकता पर किसानों का गन्ना मूल्य भुगतान करने हेतु निर्देशित किया। जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि अन्य सभी चीनी मिलों द्वारा इस वर्ष का शत– प्रतिशत किसानों का गन्ना मूल्य का भुगतान हो गया है।

संक्षिप्त खबरें

महिला ने दूसरी मंजिल पर फंदा लगाकर दी जान

बांदा, संवाददाता। थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी माधुरी सिंह (28) ने रविवार की रात किसी समय दुपट्टे से पंखे में फंदा लगाकर जान दे दी। सोमवार को सुबह परिजनों ने देखा तो जानकारी हो सकी। पति दिलीप सिंह ने बताया कि दो पुत्र विराट (12) व श्लोक सिंह (8) कमरे में सो गए थे। माधुरी दूसरी मंजिल में कमरे में सोने गई थी। उसने किस वजह से यह कदम उठाया उसे नहीं पता।

उधर, मध्य प्रदेश के रीवा जनपद के नई गढ़ी थाना के बेलहा गांव निवासी पिता योगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि उसे कोई तकलीफ नहीं थी। रात में मां प्रतिभा से भी फोन पर बात हुई थी। लेकिन कोई बात नहीं बताई। थानाध्यक्ष राजेश कुमार मौर्य ने बताया कि खुदकुशी का कारण अज्ञात है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

मेडिकल कालेज में रेजीडेंट डॉक्टरों का प्रदर्शन, मांगी सुरक्षा

बांदा, संवाददाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में जूनियर महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर रेजीटेंड डॉक्टरों ने विरोध जताया। सम्मान और सुरक्षा की मांग को लेकर सोमवार को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में 55 रेजीडेंट चिकित्सकों ने एसोसिएशन के अह्वान पर हड़ताल कर दी। मेडिकल कॉलेज परिसर में जुटे डॉक्टरों ने नारेबाजी की। तकरीबन आधे घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे चिकित्सकों ने महिला जूनियर चिकित्सक के साथ हुई घटना की निंदा की। बाद में मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एसके कौशल ने प्रदर्शन कर रहे रेजीडेंट डॉक्टरों को समझाया। प्रिंसिपल के मुताबिक सभी डॉक्टर अपने काम पर वापस लौट गए। इधर, सुबह के समय चिकित्सकों की हड़ताल होने की वजह से मेडिकल कॉलेज आए मरीजों को उपचार के लिए चिकित्सकों का इंतजार करना पड़ा। प्राचार्य ने कहा कि जूनियर महिला चिकित्सक के साथ हुई घटना संवेदनहीनता का द्योतक है। ऐसी घटनाएं चिकित्सकों में भय पैदा करती हैं।

बेटे ने की पिता की हत्या, दम तोड़ने तक प्लास से किए ताबड़तोड़ वार

शामली, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के शामली शहर के विवेक विहार पुत्र ने अपने पिता की हत्या कर दी। आरोपी पुत्र ने सिर में प्लास से कई वार करते हुए पिता की हत्या की और फरार हो गया। हत्या का कारण प्रोपर्टी विवाद बताया गया है। शामली आदर्श मंडी थाना क्षेत्र के मोहल्ला विवेक विहार में विनोद गुप्ता(65) बैंक से सेवानिवृत्त थे। सोमवार सुबह में विनोद गुप्ता का अपने बेटे विकास के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। गुस्से में आग बबूला हुए आरोपी बेटे ने प्लास से अपने पिता के सिर में कई वार कर दिए जिसमें वह गिर गए और उनकी मौत हो गई। वहीं शोर–शराबा होने पर आरोपी पुत्र फरार हो गया। मृतक की पत्नी उर्मिला की सूचना पर आदर्श मंडी थाना पुलिस व एएसपी एसके सिंह व सीओ श्याम सिंह भी पहुंचे और घटना का जायजा लिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के संबंध में मृतक की पत्नी ने तहरीर दी है, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। वहीं एएसपी एसके सिंह ने बताया कि पिता–पुत्र में प्रोपर्टी का विवाद चल रहा था जिसके चलते सुबह में झगडा हुआ और बेटे ने प्लास सिर में मारकर पिता हत्या कर दी। आरोपी की तलाश की जा रही है।

चकबंदी लेखपाल ने होटल में युवती से घिनौना काम, वीडियो भी बनाया

मैनपुरी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में चकबंदी लेखपाल व्योम सिंह की गिरफ्तारी के लिए सीजेएम ने वारंट जारी किया है। एटा में तैनात लेखपाल पर मैनपुरी शहर की रहने वाली युवती से शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप है। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस जांच करने के बाद लेखपाल के खिलाफ चार्जशीट न्यायालय में जमा कर चुकी है। थाना कोतवाली के शिवनगर आगरा रोड के रहने वाले व्योम सिंह एटा में चकबंदी विभाग में लेखपाल है। उसको मृतक आश्रित कोटे में नौकरी मिली है। शहर के एक मोहल्ला की रहने वाली एक युवती द्वारा कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट के अनुसार उसकी सोशल मीडिया के माध्यम से लेखपाल व्योम सिंह से मुलकात हुई। लेखपाल ने सजातीय होने के कारण उसको शादी करने का झांसा दिया। रिपोर्ट के अनुसार लेखपाल ने एक होटल में यौन शोषण करके धोखे से वीडियो बना लिया। शादी करने से मना करके वीडियो वायरल करके बदनाम करने की धमकी दी। पुलिस ने जांच करने के बाद चार्जशीट सीजेएम न्यायालय में जमा कर दी है। सीजेएम ने चार्जशीट का संज्ञान लेने के बाद लेखपाल के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। जारी किए गए वारंट पुलिस के पास गिरफ्तारी के लिए भेजे गए हैं। लेखपाल की अग्रिम जमानत जिला जज के न्यायालय से खारिज की जा चुकी है।

एनसीईआरटी की किताबें बाजार से गायब

अलीगढ़, संवाददाता। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की किताबें यूपी बोर्ड के हाईस्कूल और इंटर के पाठ्यक्रमों में लगी हैं मगर यह किताबें बाजार में नहीं हैं। यूपी बोर्ड का शैक्षणिक सत्र अप्रैल 2024 से शुरू हो चुका है। साढ़े चार महीने में बाजार में पूरा पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं है।

कक्षा 9 से कक्षा 12 तक में एनसीईआरटी की किताबें पढ़ाने का आदेश है। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने एनसीईआरटी की किताबों की दर सूची भी जारी कर दी है। कक्षा–9 के लिए एनसीईआरटी की किताबों का सेट करीब 365 रुपये का है, जबकि 10वीं में किताबों का सेट करीब 455 रुपये का है। कक्षा 11 और 12 की किताबों का सेट करीब 500 रुपये है। विद्यार्थियों ने बताया कि एनसीईआरटी की कुछ किताबें बाजार में उपलब्ध नही हैं। खासतौर कक्षा 9 की विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की किताबें नहीं हैं। इसी तरह कक्षा 11 और 12 में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान सहित अन्य किताबें नहीं हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि पुस्तक विक्रेताओं से पूछा, कब तक किताबें आ जाएंगी तो उन्होंने जवाब दिया कि इस बारे में कुछ नहीं कह सकते। विद्यार्थियों ने कहा कि पुरानी या सहपाठी की किताबों से पढ़ना पड़ रहा है।

एकेटीयू का 22 वां दीक्षांत समारोह 13 को

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां पूर्वाभ्यास के जरिये परखी गयी। माननीय कुलपति प्रा० जेपी पाडेय के निर्देशन में समारोह स्थल प० अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पूर्वाभ्यास किया गया। इस दौरान शैक्षणिक शोभा यात्रा निकाली गयी तो मेधावियों के बैठने के स्थान और मेडल के क्रम को तय किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदेमातरम और विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई।

पूर्वाभ्यास के दौरान शैक्षणिक शोभायात्रा में माननीय राज्यपाल की भूमिका में प्रोफेसर वंदना सहगल शामिल रहीं। मुख्य अतिथि की भूमिका में वित्त अधिकारी केशव सिंह रहे वहीं विशिष्ट अतिथि की भूमिका में प्रोफेसर वीरेंद्र पाठक मौजूद रहे. दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता माननीय राज्यपाल सहकुलाधिपति श्रीमती आनदीबेन पटेल करेंगी।

वहीं, दीक्षांत समारोह में अलग–अलग पाठक्रमों के छात्रों को डिग्री दी जाएगी। साथ ही स्नातक के और एमटेक, एमफार्मा और एमआर्क के मेधावियों को स्वर्ण, रजत और कास्य पदक दिया जाएगा, जबकि छात्र–छात्राओं को पीएचडी अवार्ड होगी।

आपको बता दें कि बीटेक के बीफार्मा के वीएचएमसीटी के बीआर्क के बीएफएडी के बीडेस केएमबीए के एमसीए के एमबीए आइएनटी के एमसीए आइएनटी पीएचडी के बीवीवोसी के विद्यार्थियों को डिग्री दी जाएगी। पूर्व अभ्यास कार्यक्रम में कुलसचिव रीना सिंह सहित अन्य शिक्षण अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

'स्कूली बच्चे और ग्रामीण जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' तहसील सवायजपुर क्षेत्र के अंतर्गत दो वर्ष पूर्व आई गंभीरी नदी में बाढ़ से दयालपुर व नाऊपुरवा के बीच पुलिया टूट जाने से स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों को बरसात के दिनों में आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के दयालपुर स्थित आर एन इण्टर कालेज में पढ़ने वाले बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर नाव से नदी पार कर स्कूल पहुंच रहे है। आपको बता दें कि बरसात के दिनों में स्कूल से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर बसे गांव नाऊ पुरवा,महताब पुरवा,परचौली,महदाइन के स्कूली बच्चे हर रोज नाव से नदी पार कर अपनी जान जोखिम में डालकर स्कूल जाने को विवश है। जानकारी मिलने पर एसडीएम सवायजपुर संजय कुमार अग्रहरि ने नाऊपुर पहुँच कर स्थिति का जायजा लिया। और उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए जल्द पुलिया निर्मित कराने का आश्वासन दिया। साथ ही एसडीएम संजय कुमार अग्रहरि ने दयालपुर में आर एन इण्टर कालेज का निरीक्षण करते हुये संबंधित प्रधानाचार्य को निर्देशित किया और कहा कि जो बच्चे नाऊपुर के प्राइमरी स्कूल में पढ़ने जाते हैं उन्हें दयालपुर के प्राइमरी स्कूल में भेजा जाये और नाऊपुर से नाव द्वारा नदी पार कर दयालपुर आर एन इण्टर में पढ़ने वाले बच्चों को न भेजने के भी निर्देश दिए। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया निर्मित कराने को लेकर जिम्मेदारों ने कई बार आश्वासन दिया लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।जिससे ग्रामीणों में काफी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने एसडीएम सवायजपुर से सुरक्षा को लेकर टूटी पुलिया के पास पुलिस की तैनाती की मांग की है। इसी क्रम में उपजिलाधिकारी संजय कुमार अग्रहरि ने ग्राम चाऊपुर पहुँच कर प्रथम विश्व युद्ध में शहीद हुए शहीद स्मारक पर उनकी याद में श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की साथ वृक्षारोपण भी किया।

तेज रफ्तार लग्जरी कार ने स्कूटी सवार छात्र को 100 मीटर तक घसीटा

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के बिठूर में नारामऊ चुंगी के पास जीटी रोड पर रविवार सुबह तेज रफ्तार लग्जरी मराजो कार स्कूटी सवार छात्र को टक्कर मारने के बाद करीब 100 मीटर तक घसीटती चली गई। हादसे में छात्र की मौत हो गई। चालक घटनास्थल से तो भाग निकला लेकिन चौबेपुर के तातियागंज के पास कार बंद हो जाने के बाद चालक वाहन छोड़कर भाग गया। कार बिठूर पुलिस ने थाने में खड़ी करा ली है और चालक की तलाश की जा रही है। कल्याणपुर बैरी निवासी कपड़े की फेरी लगाने वाले मोहम्मद यूसुफ का इकलौता बेटा अब्दुल अहद उर्फ अजर (21) छत्रपति शिवाजी महाराज विश्वविद्यालय में बीएससी बायोटेक द्वितीय वर्ष का छात्र था। पढ़ाई का खर्च चलाने के लिए अब्दुल कल्याणपुर के एक होटल में रिसेप्शनिस्ट था। सुबह करीब 11 बजे वह नारामऊ मंधना स्थित एक होटल में नौकरी के लिए साक्षात्कार देने स्कूटी से जा रहा था। तभी कार ने स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में अब्दुल अहद स्कूटी समेत कार में फंस गया और घिसटते चला गया। मंधना चौकी प्रभारी अमित कुमार मलिक ने अब्दुल को हैलट भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत पर मां शन्नो और दो बहनों मारिया और तालिबा बदहवास हो गईं। बिठूर थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजनों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार चालक की तलाश की जा रही है।

72 साल की महिला ने दर्ज कराया दहेज उत्पीड़न का केस

मेरठ, संवाददाता। मेरठ में ईश्वरपुरी निवासी 72 साल की सेवानिवृत्त शिक्षिका देविंद्रा रानी ने पति के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिक्षिका की 48 साल की उम्र में कम आयु के नरेश से शादी हुई थी। आरोप है कि नरेश ने खुद को सुपरवाइजर बता धोखा देकर शादी की थी। दो साल पहले दोनों का तलाक भी हो चुका है। ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र की ईश्वरपुरी निवासी देविंद्रा रानी ने कोर्ट में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वर्ष 2000 में उनकी शादी बुलंदशहर के गांव सराय लौंगा निवासी नरेश के साथ हुई थी। शादी से पहले ही वह माध्यमिक विद्यालय में शिक्षिका थीं। नरेश और उसके परिजन ने शादी से पहले झूठ बोला था कि वह एक प्राइवेट कंपनी में सुपरवाइजर है। बाद में पता चला कि नरेश कोई काम नहीं करता है। वह शराब पीकर आता था और पैसों की मांग करता था। पैसे देने से मना करने पर शिक्षिका से मारपीट करता था। नरेश ने उनकी सरकारी नौकरी के लालच में उम्र में काफी छोटा होने के बावजूद शादी की थी। पति के उत्पीड़न से त्रस्त होकर शिक्षिका मायके में आकर रहने लगीं। कुछ समय बाद नरेश आया और अपने व्यवहार के लिए माफी मांगकर उन्हें साथ ले गया। कुछ दिन बाद फिर से उसने जबरदस्ती शराब पीने के लिए पैसे वसूलने शुरू कर दिए। पीड़िता सात माह की गर्भवती हुईं तो नरेश ने उनके साथ बुरी तरह मारपीट की। जिससे उनका गर्भपात हो गया। नरेश ने उनकी संपत्ति और पैसे हड़पने के लिए सोते समय उनके सिर पर किसी भारी वस्तु से प्रहार किया। जिससे वह बेहोश हो गईं। मुंहबोले भाई फूल सिंह ने नरेश के विरोध के बावजूद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। जब होश आया तो पीड़िता की स्मरण शक्ति काफी कमजोर हो गई थी। शरीर का कुछ हिस्सा लकवाग्रस्त भी हो गया था। वर्ष 2022 में उन्होंने परिवार न्यायालय के माध्यम से नरेश से तलाक ले लिया। कुछ दिन से नरेश उनके घर के आसपास घूम रहा है। घर के पास खड़े होकर उन्हें और फूल सिंह को जान से मारने की धमकी देता है। उन्होंने ब्रह्मपुरी थाने में तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने ब्रह्मपुरी पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया था।

पुलिस टीम पर हमला, वर्दी फाड़ी, आंखों में मिर्ची डालकर नशा तस्कर छुड़ाया, 56 पर मुकदमा

सहारनपुर, संवाददाता। नकुड़ थाना क्षेत्र के गांव घाटमपुर में नशा तस्कर को पकड़ने गई पुलिस टीम पर परिजनों व ग्रामीणों ने हमला कर दिया। हमलावर पुलिस की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर आरोपी को छुड़ा ले गए। एक पुलिसकर्मी वर्दी की फाड़ दी तथा गाड़ी में तोड़फोड़ कर डाली। हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस ने वीडियो रिकार्डिंग के आधार पर 31 नामजद व 25 अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अंबेहटा चौकी प्रभारी नरेंद्र भडाना की अगुवाई वाली पुलिस टीम सोमवार को एनडीपीएस एक्ट में वांछित चल रहे गांव घाटमपुर निवासी जावेद उर्फ टिंकू पुत्र इस्लाम को पकड़ने के लिए गई थी। पुलिस ने जावेद को उसके घर से गिरफ्तार किया। पुलिस जावेद को लेकर चलने लगी तो तभी उसके परिजनों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर पुलिस टीम को घेर लिया और मिर्च पाउडर डालकर आरोपी को छुड़ा ले गए। आरोपियों ने पुलिस टीम के साथ धक्कामुक्की करते हुए वर्दी तक फाड़ दी। पुलिस की गाड़ी में भी तोड़फोड़ की गई। हमले में उप निरीक्षक अंजू सिंह, महिला कांस्टेबल राधा, हेड कांस्टेबल मतीन अहमद, कांस्टेबल राहुल राणा, लोकेश तोमर और विवेक धामा घायल हो गए। नकुड़ और गंगोह थाने की पुलिस बुलानी पड़ी। पुलिसकर्मी द्वारा बनाई गई वीडियो के आधार पर आरोपियों की शिनाख्त की गई। दबिश देकर हमलावर सद्दाम हुसैन पुत्र जमील, इसराना पत्नी मम्मन को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य आरोपी मौके से फरार हैं। पुलिस लगातार दबिश दे रही है। घटना का पता लगते ही एसपी देहात सागर जैन, सीओ नकुड़ एसएन वैभव गांव पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया है।

टीमों का गठन किया

एसपी देहात सागर जैन का कहना है कि नकुड़ थाना क्षेत्र के गांव घाटमपुर में पुलिस नशा तस्कर को पकड़ने गई थी। पुलिस पर हमला कर कुछ लोग आरोपी को छुड़ा ले गए। इसमें कुछ सिपाही भी घायल हुए। वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। दो हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है। 31 नामजद और 25 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमों का गठन कर दिया है।

नौबस्ता में वसूलीबाज और सपा नेता समेत चार पर रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में नौबस्ता पुलिस ने एक वसूलीबाज और सपा नेता समेत चार लोगों पर रंगदारी मांगने व धमकाने का मामला दर्ज किया है। नौबस्ता के बूढ़पुर मछरिया निवासी राहुल सिंह ने बताया कि उनके पिता व परिवार की पुश्तैनी जमीनें हैं। इसमें कुछ प्लॉट हैं तो कुछ खाली पड़े हैं।

राहुल के मुताबिक खुद को सपा नेता बताने वाला सी ब्लॉक यशोदानगर निवासी रईसुल हसन हाशमी उर्फ हाशमी लंगड़ा एस ब्लॉक यशोदानगर निवासी वसूलीबाज ब्रजराज सिंह रजावत, व हरी मस्जिद बर्रा छह निवासी कासिम रजा उर्फ शमीम और अजीम अली व दो तीन अज्ञात लोगों के साथ नौबस्ता क्षेत्र में भय व्याप्त करके वसूली करता हैं।

उनकी पारिवारिक व निजी जमीन पर निर्माण शुरू होने पर पोर्टल, न्यूज पेपर व यूट्यूब पर फर्जी खबरें चलवाकर पूरा गिरोह रंगदारी मांगता है।

राहुल का कहना है कि आरोपी हर प्लॉट की कीमत पर 50 फीसदी वसूली की मांग की और वसूली न देने पर बदनाम करने व जान से मारने की धमकी दी। इस डर से पहले भी वह कई बार मजबूरी में पैसे दे चुके हैं। वॉइस रिकार्डिंग व रुपये गिनते हुए फोटो बतौर साक्ष्य भी दिए। थाना प्रभारी ने बताया कि वसूलीबाजों के साथ रंगदारी वसूलने, मांगने, महिला के साथ गलत व्यवहार करने की धमकी देने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पहले भी आ चुकी हैं शिकायतें

ब्रजराज और उसके साथी पुलिन त्रिपाठी के खिलाफ नौबस्ता थाने में ही 23 अप्रैल 2022 वसूली व गाली–गलौज की धारा में रिपोर्ट दर्ज हुई थी।

यशोदानगर देशी शराब ठेका के मैनेजर मनोज कुमार ने तहरीर दी थी लेकिन पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद भी आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं की। राहुल का कहना है कि ब्रजराज पर नौबस्ता थाने से मिनी गुंडा एक्ट की कार्रवाई भी हो चुकी है लेकिन सख्ती न होने की वजह से उसकी वसूली जारी है।

बैराज पर दो कारों की टक्कर में आरएसएस पदाधिकारी की मौत

कानपुर, संवाददाता। कारों की तेज रफ्तार दो परिवारों पर कहर बनकर टूटी। गंगा बैराज पर अटल घाट गेट के सामने अंधे मोड़ पर शनिवार देर रात दो कारों की आमने–सामने की भिड़ंत में आरएसएस के नगर सेवा प्रमुख (प्रचारक) व भारत विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद कुमार मिश्र (63) की मौत हो गई। उनके साथ बैठा दोस्त घायल हो गया। दूसरी लग्जरी कार में मौजूद प्लास्टिक कारोबारी आदित्य अग्रवाल व उनके दो भांजे घायल हो गए। हालांकि कार के एयरबैग खुल जाने की वजह से किसी को गंभीर चोट नहीं आई। वहां तैनात पुलिस के मुताबिक लग्जरी कार की स्पीड 110 के आसपास थी। दोनों कारों को थाने में खड़ा कराने के बाद पुलिस ने आदित्य को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं बिठूर में तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार छात्र की जान ले ली। टक्कर मारने के बाद कार उसे करीब 100 मीटर तक घसीटते ले गई थी। बिठूर के महर्षि वाल्मीकि नगर निवासी प्रमोद कुमार मिश्र क्षेत्र के रामजानकी इंटर कालेज में अंग्रेजी के शिक्षक थे। 31 मार्च को सेवानिवृत हुए थे। वे समाजसेवी होने के साथ ही आरएसएस के भी पदाधिकारी थे। बेटे राघव ने बताया कि उनकी एक जमीन का विवाद हाईकोर्ट में चल रहा है। इस मामले की सुनवाई के लिए पिता एचपी गैस एजेंसी के मालिक दोस्त प्रकाश द्विवेदी उर्फ भोली के साथ कार से प्रयागराज जाने के लिए देर रात घर से निकले थे।

कार स्टेशन पर खड़ी करके ट्रेन से प्रयागराज जाना था। कार उनके पिता ही चला रहे थे। पुलिस के मुताबिक रात करीब तीन बजे अटल घाट गेट के सामने मोड़ पर एमजी हेक्टर और वैगनआर कार में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर से दोनों कारों के परखचे उड़ गए। दोनों कारों में फंसे पांच घायलों को बाहर निकालकर हैलट पहुंचाया गया। वैगनआर सवार प्रमोद कुमार मिश्र को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। लग्जरी कार सवार लखनऊ के निरालानगर व हाल पता केडीए सिग्नेचर सिटी नवाबगंज निवासी आदित्य अग्रवाल, उनके भांजे शिवम, वर्दधन का उपचार किया गया। कोहना थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक प्रमोद के परिजनों की तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। आदित्य को गिरफ्तार कर लिया गया है।

छह पसलियां टूटी, हृदय व फेफड़े क्षतिग्रस्त होने से हुई मौत

अटल घाट गेट के सामने हुए हादसे के वक्त कार की रफ्तार का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोनों कार की कमानी टूटने से पहिये अलग हो गए। वहीं हादसे में प्रमोद कुमार मिश्रा की छह पसलियां टूटकर हृदय व फेफड़े में घुस गई। इसकी वजह से शरीर के भीतर अत्यधिक खून बहने से उनकी जान चली गई।

पत्नी पूर्व सभासद, घर में मचा कोहराम

प्रमोद कुमार मिश्र की पत्नी सुधा बिठूर के महर्षि वाल्मीकि नगर की सभासद रही हैं। बेटा राघव एक विद्यालय में नौकरी करता है और बेटी राधा की शादी हो चुकी है। प्रमोद की मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। क्षेत्र के लोगों और रिश्तेदारों ने परिजनों को सांत्वना दी। रविवार सुबह राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी, विधायक अभिजीत सिंह सांगा, पूर्व विधायक मुनींद्र शुक्ला समेत कई नेता और समाजसेवी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। इसके बाद बिठूर में हुए अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए।

टक्कर नहीं होती तो गंगा में गिर जाती कार

पुलिस के मुताबिक अटल घाट की चौकी पार करने के बाद मोड़ पर भी आदित्य अग्रवाल की लग्जरी कार इतनी तेज थी कि वैगनआर से न टकराती तो गंगा में गिर सकती थी। कोहना पुलिस के मुताबिक कार की रफ्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद चारों बैलून खुल गए थे। इस वजह से ही कारोबारी और उनके भांजों को मामूली चोट आई। जिस अंधे मोड़ पर हादसा हुआ, वहां पहले भी कई घटनाएं हो चुकी हैं।

मासूम संग दुष्कर्म का आरोपी मौलाना गिरफ्तार

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में ग्वालटोली के मकबरा में शुक्रवार रात सात साल की मासूम से दुष्कर्म का प्रयास करने का आरोपी मौलाना मुख्तार उर्फ मुख्तार चच्चा को पुलिस ने पकड़ लिया है। पुलिस ने सोमवार को आरोपी की गिरफ्तारी का खुलासा कर दिया है। डीसीपी सेंट्रल दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले उसने कई बच्चियों से दुष्कर्म के प्रयास और छेड़छाड़ की बात कबूली है। दोपहर के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश कर उसे जेल भेज दिया गया। ग्वालटोली थानाक्षेत्र निवासी मौलाना मुख्तार उर्फ मौलाना चच्चा शुक्रवार को पड़ोस में रहने वाली सात साल की बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर अपने साथ ले गया था। आरोपी ने अपने घर पर ही बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।